समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• सितम्बर २०१५ • वर्ष ६६ • अंक ०९

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

सम्मेलन के 'संस्कार-संस्कृति चेतना' कार्यक्रम के अंतर्गत कोलकाता स्थित ज्ञान भारती विद्यापीठ में आयोजित सेमिनार में (बायें से) सुश्री पल्लवी दास, सर्वश्री अंजनी पोद्दार, मीठालाल शर्मा, नंदलाल सिंघानिया, सीताराम शर्मा, जगमोहन बागला, रामअवतार पोद्दार एवं शिव कुमार लोहिया भाषण प्रतियोगिता में भाग लेनेवाले छात्रों के साथ।

स्वतंत्रता दिवस की ६८वीं वर्षगाँठ पर कोलकाता स्थित सम्मेलन भवन में झण्डोतोलन करते राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार।

डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया 'ग्लोबल मैन ऑफ द इयर - २०१५' की उपाधि से सम्मानित

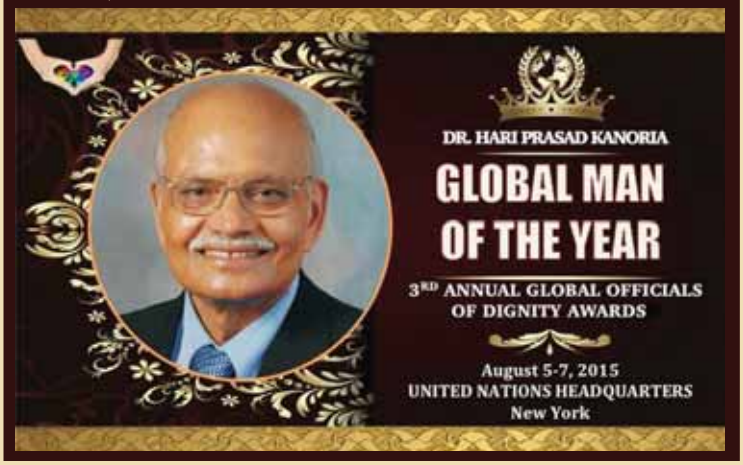

इस अंक में :

❖ सम्पादकीय : योग ग्राम - प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र

❖ अध्यक्षीय : कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन

❖ 'संस्कार-संस्कृति चेतना' कार्यक्रम के अंतर्गत सेमिनार

❖ सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक

❖ पद्मश्री कन्हैयालाल सेठिया की जयन्ती

❖ उतिष्ठत्! जाग्रत! प्राप्य वरान्निबोधत्

RUPA®

Softline

LEGGINGS

HAR MOOD KE SANG
EK NAYA RANG

available in Colours 90+
FOR EVERY MOOD

4D COTTON STRETCH FABRIC

www.rupa.co.in | follow 'rupaknitwear' on YouTube | SMS 'RUPA' to 53456 | Toll Free No. 1800 1235 001

समाज विकास

◆ सितम्बर २०१५ ◆ वर्ष ६६ ◆ अंक ०९ ◆ एक प्रति - ₹ १० ◆ वार्षिक - ₹ १००

अनुक्रमणिका

शीर्षक			पृष्ठ संख्या
सम्पादकीय : योग ग्राम : प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र	–	*सीताराम शर्मा*	५
अध्यक्षीय : कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन	–	*रामअवतार पोद्दार*	७
केन्द्रीय / प्रान्तीय समाचार			९-१७
पद्मश्री कन्हैयालाल सेठिया की जयन्ती पर विशेष			१९
लेख : उतिष्ठत्! जाग्रत! प्राप्य वरान्निबोधत्	–	*शिव कुमार लोहिया*	२०
साक्षात्कार : पं. ताऊ शेखावाटी			२१
पुस्तक समीक्षा : ओळूं-शतक			२२

स्वत्वावधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ◆ १५२बी, महात्मा गांधी रोड, कोलकाता - ७००००७
फोन : ०३३-२२६८ ०३१९ ◆ email: aimf1935@gmail.com
के लिये श्री भानीराम सुरेका द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित तथा
सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित
प्रधान संपादक : सीताराम शर्मा

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

HIGHER EDUCATION SCHOLARSHIP

MARWARI SAMMELAN FOUNDATION

(A Trust of All India Marwari Federation)

Invites application from the meritorious and needy students of the society for scholarships to pursue Post Graduate Higher Education in the fields of Engineering. Technical, Civil Services, Medicine, Management etc.

Eligibility : (A) Meritorius student with excellent academic record between the age of 17-25 years and having secured admission in a recognized educational institution purely on the basis of merit. (B) Annual income of the perents of the candidate should preferably be less than Rs. Three Lakh.

Procedure: (A) Application with details of past academic records, proof of admission, parent's income/ along with passport size photograph may be submitted duly recommended by any branch of Marwari Sammelan/Associated Organisations. (B) The Scholarship payable per student per year will be a maximum of Rs. Two Lakh only. (C) One or two scholarships per academic year is reserved for girl students.

Please apply to : Chairman, Higher Education Committee, All India Marwari Sammelan,
152B, Mahatma Gandhi Road, Kolkata - 700 007
Phone & Fax : (033) 22680319, e-mail: aimf1935@gmail.com

Comprehensive and Exclusive

Business Economics

... Truly reflecting global aspirations!

Subscribe

100% Bargain

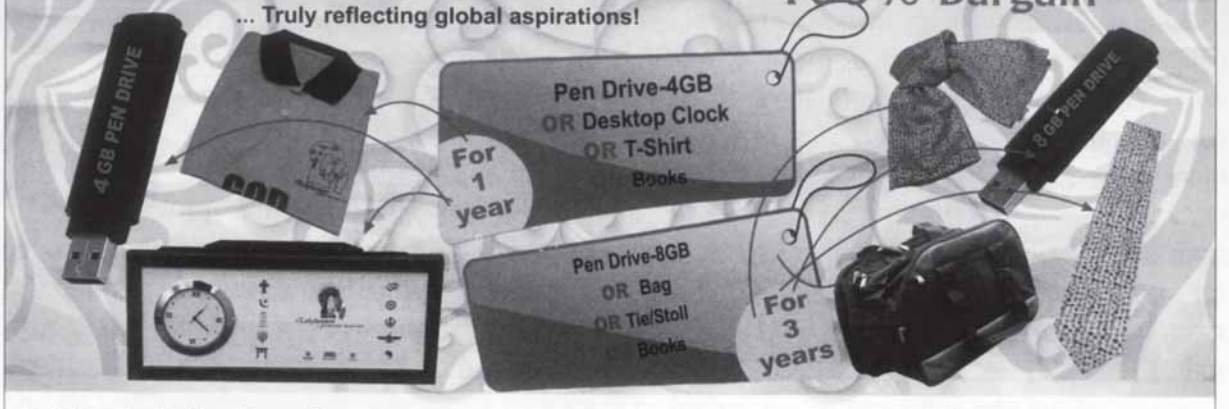

Subscribe **Business Economics** :

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

Tick	Term	No. of Issues	Price you pay	Gift Value	Saving	US $	UK £	Gift Option
☐	3 Years	72	1440/-	1440/-	1440/-	216	144	☐ 8GB Pen Drive OR ☐ Bag OR ☐ Tie/Stoll OR ☐ Books
☐	1 Year	24	480/-	480/-	480/-	72	48	☐ 4GB Pen Drive OR ☐ Desktop Clock OR ☐ T-Shirt OR ☐ Books
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ Exclusively for Students/Institutions
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS

For 1 year Book of choice upto ₹ 480 | **For 3 years Books of choice upto ₹ 1440**

Business Economics Subscription Form

Name : Mr./Ms. _____

Address : _____

_____ City/District : _____

State : _____ Country : _____ Pin Code : _____

E-mail : _____ Mobile : _____ Landline : _____ (STD CODE)

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No. _____ dated: _____ for Rs. _____ drawn on: _____

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

Signature: _____ date: _____

Mail this subscription form along with your Cheque / DD to : Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

For Subscription enquiries contact : Kolkata : Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai** : Rajendra Singh : 90290 84951
New Delhi : Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima** : Povotso Lohe : 94360 05889

Lucky DRAW

QUARTERLY LUCKY DRAW FOR THE SUBSCRIBERS :
1st Prize : INR 2000/- ● 2nd Prize : INR 1000/- ● 3rd Prize : INR 500/-

सम्पादकीय

योगर्षि स्वामी रामदेव द्वारा संचालित

योग ग्राम : प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र

– सीताराम शर्मा

सम्मेलन के मित्रों के साथ जब हरिद्वार यात्रा का कार्यक्रम बना तो मेरी पत्नी की पहली फरमाईश थी कि हम बाबा रामदेव के पतंजलि आश्रम के अर्न्तगत प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र निश्चित रूप से जायें और देखकर आयें, क्योंकि “मैं जाना चाहती हूँ”। आदेश का पालन करते हुए हम सभी – भाई रामअवतार पोद्दार, सन्तोष सराफ, रंजीत जालान, शिव लोहिया – योग ग्राम गये। भूलवश हमने गलत रास्ता लिया और मेरी कमर हिल गयी – हालाँकि वापसी मे कोई विशेष असुविधा नहीं हुयी।

योग ग्राम में (बाएँ से) उत्तराखंड सम्मेलन के अध्यक्ष श्री रंजीत जालान, सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री संतोष सराफ, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा (लेखक) एवं श्री शिव कुमार लोहिया।

योग ग्राम कई एकड़ में फैला हुआ है। ग्राम में आवास, भोजन, प्राकृतिक चिकित्सा, योग आदि की व्यवस्था है। १,००० रुपये से ३,००० रुपयों तक का प्रतिदिन का खर्च है। पुरानी परम्परागत चिकित्सा पद्धति एवं नवीन निदान विज्ञान का अनूठा समन्वय है। ग्रामीण परिवेश में नवीनतम सुविधायें उपलब्ध हैं। विशाल योग आश्रम में करीब सवा पाँच सौ रोगियों के रहने की व्यवस्था है। जानकारी करने पर पता चला कि उस समय करीब तीन सौ रोगी योग ग्राम में थे।

जिन पंचमहाभूतों से मानव शरीर का सृजन हुआ है, उन्हीं के अनूठे सम्यक् प्रयोग से योग ग्राम में रोग निवारण एवं स्वास्थ्य प्रदान किया जाता है – जल चिकित्सा, मिट्टी चिकित्सा, अग्नि तत्व चिकित्सा, वायु चिकित्सा एवं आकाश चिकित्सा।

प्राकृतिक चिकित्सा में **आहार ही औषधि** है। योग ग्राम में विस्तृत भू-भाग पर अनाज, फल, जड़ी-बुटियों की ऑर्गेनिक खेती की जाती है। हमने कमरों का निरीक्षण किया। तपस्वी कुटिया, एक व्यक्ति पर १,००० रुपये प्रतिदिन, साधारण-सी है। इनमें कुछ सुधार की आवश्यकता है। वहीं राजर्षि कुटिया, जहाँ एक या दो व्यक्ति पर प्रतिदिन ३,००० रुपयों का खर्च है, सही मायनों में राजसी है – झूला, एसी, टीवी, सोफा सेट, डाइनिंग टेबल, जाकूजी आदि।

हमने कुछ रोगियों – जिन्हें योग ग्राम में ‘स्वास्थ्य साधक’ कहते हैं — से भी बात की। एक माँ और बेटी, जो सात दिनों से योग ग्राम में थीं, ने कहा कि हम सन्तुष्ट हैं और आज ही सात और दिन रहने के लिये पैसे जमा कराये हैं – वे तपस्वी कुटिया में रह रहे थे। बेटी ने सात दिनों में ४ किलो वजन कम किया है और माँ के घुटनों के दर्द में ४०-५० प्रतिशत की कमी है। एक और युवती से बात की, उसकी व्यवस्था सम्बन्धी कुछ शिकायतें थीं लेकिन चिकित्सा से सन्तुष्ट थी।

सन्तोष सराफ के एक नजदीकी मित्र अपने पुत्र के साथ १४ दिनों से थे और अगले १४ दिन रहने का कार्यक्रम बना रहे थे। हमने जब उनके विचार जानने चाहे तो वे इतने उत्साहित थे कि प्रशंसा के पुल बाँध रहे थे। उन्होंने कहा आँख बन्द करके आइये, बहुत अच्छा है।

मैंने पत्नी को अपनी रपट दे दी है और वह तो जाने की तैयारी में है – सोचा आप सभी के साथ भी ‘शेयर’ कर लूँ। ★★★

WONDER GROUP

wonder wallz

Made-To-Order Wall Decor

"you imagine we create"

WonderWallz is a division of Wonder Images Pvt. Ltd. The state of art machines & the efficient design team helps to deliver wall solutions for all unique requirements. With over 1lakh designs it is easy to choose a wall which is a true representation of your choice.

The USP is zero wastage, customized design, lower effective cost, environment friendly & unique creation.

MADE -TO- ORDER SOLUTIONS

- Wall Covering
- Textured Wall Paper
- Etching Films
- Printed Transparent Films
- Canvas Art
- Portraits
- Wall Clocks
- Designer Panels & Partition
- Lampshades
- Decor Items
- Signage
- Building Warp

COLOURS

Customization

CREATIVITY

Unique wall solutions

Contact Us:

Aditi: +91 98307 25900
Email: aditi@wondergroup.in
Gallery: www.flickr.com/photos/131388784@N04/
Flickr ID: kediaaditi

Works:
Tangra Industrial Estate-II (Bengal Pottery Compound)
45, Radhanath Chowdhury Road, Kolkata-700 015, India.
Tel: +91 33 23298891-92

अध्यक्षीय

हर संग्राम में विजय देनेवाला मंत्र

'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन'

– रामअवतार पोद्दार

मातृशक्ति, युवाशक्ति, भाईयों,
राम-राम, राधे-राधे!

सर्व प्रथम अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन से जुड़े प्रत्येक बहन-भाई को हमारे पावन पर्व श्रीकृष्णजन्माष्टमी की हार्दिक बधाई! भगवान श्रीकृष्ण का लीलाचरित हमें कठिनतम प्रतिकूल परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखने और निजधर्मानुसार आचरण करने की सीख देता है। **'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन'** का ब्रह्मवाक्य मात्र ही किसी भी जीवन को सुखी, समृद्ध, कुसुमित-पल्लवित करने के लिए पर्याप्त है। कुरुक्षेत्र के युद्धक्षेत्र में अपने कर्तव्यों का निरंतर पालन करने और फल की चाह न रखने का जो मार्ग लीलाधर ने अपने सखा-शिष्य अर्जुन को बताया, वह वस्तुतः जीवन के हर संग्राम में विजय देनेवाला प्रमाणित मंत्र है।

भगवान श्रीकृष्ण एवं अर्जुन।

गत कुछ महीनों में सम्मेलन, खासकर प्रांतीय शाखाओं, की गतिविधियों में जो गति आई है वह व्यक्तिगत रूप से मेरे लिए अत्यंत संतोषप्रद है। ८ अगस्त २०१५ को कोलकाता में 'संस्कार-संस्कृति चेतना' कार्यक्रम के अंतर्गत एक अद्‌भुत सेमिनार हुआ। सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा के मार्गदर्शन एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री शिव कुमार लोहिया की देखरेख में आयोजित यह समारोह हृदय स्पर्शी था – आज की परिस्थितियों में सातवीं से दसवीं के छात्र जब चाणक्य सूत्र, विदुरनीति और गीता के सिद्धांतों की व्याख्या करें, समाज के विषय में सोचनेवाले हरेक व्यक्ति के हृदय को जो हर्ष होगा, वह वर्णणातीत है। इस कार्यक्रम की रपट इसी अंक में प्रकाशित की गई है।

गत ३० अगस्त २०१५ को दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा दिल्ली में आयोजित 'प्रतिभा सम्मान समारोह' में भाग लेने का मौका मिला। अत्यंत भव्य एवं सुनियोजित कार्यक्रम में मेधावी छात्र-छात्राओं एवं अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करनेवालों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की प्रकाशित निर्देशिका (डायरेक्ट्री) एवं दिल्ली मारवाड़ी सम्मेलन के मुखपत्र समाज दर्पण का विमोचन भी किया गया। उल्लेखनीय एवं उत्साहवर्धक उपस्थिति थी दिल्ली के उपमुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया जी की। दिल्ली सम्मेलन को बधाई!

जैसा आप जानते हैं, सन् २०१३ में उत्तराखण्ड में विनाशकारी भूकम्प/बाढ़ से जान-माल की बहुत क्षति हुई थी और पुनर्निर्माण का कार्य अभी तक चल रहा है। सम्मेलन नेतृत्व काफी समय से इस पुनीत कार्य में सहयोग का इच्छुक रहा है। इस संदर्भ में गत १ सितम्बर २०१५ को हरिद्वार में सम्मेलन का एक प्रतिनिधिमंडल पतंजलि योगपीठ के श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण जी से मिला, उद्देश्य था योगपीठ के साथ मिलकर पुनर्निर्माण कार्य करने का। बातचीत अत्यंत सकारात्मक थी एवं इस दिशा में शीघ्र कदम उठाकर हम अपनी भावनाओं को मूर्तरूप दे पायेंगे, ऐसी आशा है।

श्रीकृष्णजन्माष्टमी का पर्व आप सब के लिए स्वास्थ्य एवं समृद्धि का उपहार लेकर आए, इन शुभकामनाओं के साथ...

जय समाज, जय राष्ट्र! ★ ★ ★

viom
NETWORKS

A Leading Telecom Infrastructure Company Globally

Independent entity with over 38,000 towers and over 89000 tenants

Plans to roll-out nearly 20-25,000 additional towers and take tenancy ratio to 2.5x

Strongest player in neutral host Shared In-Building Solutions (IBS)

First Indian Telecom Infrastructure Company to receive ISO 14001 & OHSAS 18001 Certification

Viom Networks Limited

Corporate Office : 14 & 15th Floor, DLF Square, Jacaranda Marg, DLF City, Phase 2, Gurgaon - 122 002. India

बच्चों और अभिभावकों के बीच सम्यक् संवाद अनिवार्य : सीताराम शर्मा

"बच्चों और अभिभावकों के बीच संवादहीनता की स्थिति न सिर्फ उनके संबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है बल्कि बच्चों को शिक्षा के कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं से भी वंचित करती है। मात्र पाठशालाओं के भरोसे छात्र-छात्राओं की शिक्षा पूरी नहीं हो सकती। संस्कार-संस्कृति एवं सामाजिक मुद्दों के विषय में ज्ञान देने की प्रक्रिया में अभिभावकों की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है।" ये उद्‌गार अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने प्रकट किए। श्री शर्मा अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के 'संस्कार-संस्कृति चेतना' कार्यक्रम के अन्तर्गत नीमतल्ला घाट स्ट्रीट, कोलकाता स्थित ज्ञान भारती विद्यापीठ में आयोजित सेमिनार में छात्रों को संबोधित कर रहे थे।

ज्ञातव्य है कि सम्मेलन द्वारा छात्र-छात्राओं एवं युवक-युवतियों को अपने संस्कार एवं संस्कृति के विषय में जागरूक रखने के उद्देश्य से हाल में ही प्रारम्भ किए गए 'संस्कार-संस्कृति चेतना' कार्यक्रम के अन्तर्गत स्कूली बच्चों के बीच यह पहला सेमिनार था।

श्री नंदलाल सिंघानिया

सेमिनार में सर्वप्रथम उपस्थित छात्रों को स्लाइड-शो के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं धरोहरों की रोचक एवं ज्ञानवर्धक झलकियाँ विवरण के साथ दिखायी गयीं। तत्पश्चात् ज्ञान भारती विद्यापीठ के अध्यक्ष **श्री नंदलाल सिंघानिया** ने सेमिनार को संबोधित करते हुए कहा कि पाश्चात्य सभ्यता की नकल आज एक प्रवृति बन गयी है। हम अपनी गौरवमयी संस्कृति की विशेषताओं से धीरे-धीरे अनजान होते जा रहे हैं। उन्होंने उदाहरणसहित बताया कि कैसे भारत विश्वगुरु था और क्यों पश्चिम के लोग आज इस सत्य को स्वीकार करने लगे हैं।

समारोह को संबोधित करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार** ने कहा कि संस्कारों का ह्रास एक ज्वलंत चिंतनीय विषय है। उन्होंने शिक्षा के साथ-साथ संस्कार-संस्कृति के विषय में भी ज्ञान अर्जित करने के लिए छात्रों का आह्वान किया।

उपस्थित विशिष्ट सज्जनों, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं छात्रों

श्री सीताराम शर्मा भाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार विजेता रितुराज दूबे को पुरस्कृत करते हुए।

श्री रामअवतार पोद्दार भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार विजेता पुष्कर झा को पुरस्कृत करते हुए।

श्री जगमोहन बागला भाषण प्रतियोगिता में तृतीय पुरस्कार विजेता अजय यादव को पुरस्कृत करते हुए।

का सेमिनार में स्वागत करते हुए ज्ञान भारती के ट्रस्टी **श्री जगमोहन बागला** ने कहा कि अच्छे संस्कारों से ही अच्छा नागरिक बना जा सकता है और अच्छा जीवन जीया जा सकता है। उन्होंने छात्रों से अपने संस्कार-संस्कृति का ध्यान रखने का आह्वान किया।

श्री शिव कुमार लोहिया

सेमिनार को संबोधित करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने कहा कि हमार इतिहास गरिमामयी है। उन्होंने कहा कि भारत ने विश्व को शून्य एवं योग दिया है। अंग्रेजी शासन के दौरान भारत की पारम्परिक शिक्षा-पद्धति पर कुठाराघात की चर्चा करते हुए श्री लोहिया ने कहा कि आज प्राचीन के साथ आधुनिक शिक्षा का समन्वय कर बच्चों को संतुलित ज्ञान देने की आवश्यकता है।

सेमिनार में विद्यापीठ के छात्रों के बीच पहले से दिए गए विषयों पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गयी। प्रतियोगिता में सातवीं से दसवीं कक्षा तक के छात्रों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता के विजेता (बायें से) पुष्कर झा, रितुराज दूबे एवं अजय यादव।

भाषण-प्रतियोगिता में **रितुराज दूबे** ने प्रथम, **पुष्कर झा** ने द्वितीय एवं **अजय यादव** ने तृतीय स्थान प्राप्त किया और इन्हें तदनुसार पुरस्कार दिया गया। भाषण-प्रतियोगिता में भाग लेनेवाले सभी छात्रों को प्रमाणपत्र भी दिया गया।

सेमिनार में छात्रों के लिए संस्कार, संस्कृति एवं ऐतिहासिक धरोहरों से संबंधित विषयों पर आधारित प्रश्नोत्तरी (क्विज) का आयोजन भी किया गया और सही उत्तर देनेवाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया।

भाषण प्रतियोगिता

छात्र	विषय
यश कुमार सिंह कक्षा ९ए	सर्वधर्म परित्यज्य मामेकम् शरणम् ब्रज।
अभिषेक कुमार झा कक्षा - ९ए	कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
शुभम सिंह कक्षा - ९ए	जैसे ही भय आपके करीब आए, उस पर आक्रमण कर उसे नष्ट कर दीजिए।
रितुराज दूबे कक्षा - ९डी	कोई व्यक्ति अपने कार्यों से महान होता है, जन्म से नहीं।
रिषभ साव कक्षा - १०सी	शिक्षा सर्वश्रेष्ठ मित्र है। शिक्षित व्यक्ति का आदर सर्वत्र होता है।
राजा मिश्रा कक्षा - १०सी	भगवान मूर्तियों में नहीं है। आपकी अनुभूति आपका ईश्वर है। आत्मा आपका मंदिर है।
अजय यादव कक्षा - ७ए	दूसरे की गलतियों से सीखो। अपने उपर प्रयोग करके सीखने के लिए तुम्हारी आयु कम पड़ेगी।
कुणाल साव कक्षा - १०सी	फूलों की सुगंध केवल वायु की दिशा में फैलती है लेकिन एक व्यक्ति की अच्छाई हर दिशा में फैलती है।
कृष्णकांत व्यास कक्षा - ९डी	धन का संग्रह इस प्रकार करें मानो आप अमर हों।
पुष्कर झा कक्षा - १०बी	न हृष्यत्यात्मसम्माने नावमानेन तत्यते गांगो हृद इवाक्षोभ्यो यः स पण्डित उच्चते।
राहुल कुमार दास कक्षा - ९डी	क्षमागुणोह्यशक्तानां शाक्तानां भूषणं क्षमा।
चिराग शर्मा कक्षा - ९ए	क्षिपत्यन्यान् हि दोषेण वर्तमान स्वयम् तथा यश्च क्रुद्धत्यनीशानः स च मूढतमो नरः।

सुश्री पल्लवी दास

सेमिनार का संचालन ज्ञान भारती विद्यापीठ की अंग्रेजी शिक्षिका **सुश्री पल्लवी दास** ने किया। प्राचार्य **श्री बितान विश्वास** सहित विद्यापीठ से जुड़े सज्जनों ने सेमिनार को सफल बनाने हेतु सक्रिय सहयोग किया। ★★★

सोचें, आर्थिक विषमता से स्वतंत्रता कैसे : रामअवतार पोद्दार

"अनगिनत वीरों की शहादत के बाद हमें राजनैतिक स्वतंत्रता तो मिल गयी है किन्तु स्वराज के साथ-साथ सुराज भी कैसे लाया जा सके, यह चिन्तनीय है। समाज के निर्धनतम व्यक्ति तक की जीवनरक्षक आवश्यकताओं को पूरा करने और आर्थिक विषमता की खाई को पाटने का मार्ग ढूँढ़ना और तदनुसार आचरण करना, आज हमारा नैतिक कर्त्तव्य है।" ये विचार सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार** ने राष्ट्र की स्वतंत्रता की ६८वीं वर्षगाँठ के अवसर राजा राममोहन राय सरणी (अम्हर्स्ट स्ट्रीट), कोलकाता स्थित सम्मेलन भवन में झंडोत्तोलन के बाद हुयी सभा में व्यक्त किये। श्री पोद्दार ने संसद में वर्तमान गतिरोध पर भी खेद व्यक्ति किया और कहा कि संसदीय प्रणाली से चलनेवाले विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की संसद का ठप्प पड़ना एक गम्भीर विषय है और राजनैतिक दलों को संकीर्ण दलगत बदले की भावना से उपर उठकर, विचारपूर्वक कदम उठाने की आवश्यकता है।

बैठक के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार ने गणमान्य सदस्यों के साथ उल्लासपूर्वक राष्ट्रीय ध्वज फहराया और राष्ट्रगान गाया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री विजय डोकानियाँ** ने कहा, "देश में प्रगति हुयी है किन्तु सही मायनों में आजादी नहीं मिली है। जातीय-क्षेत्रीय भावना 'एक राष्ट्र' को आगे नहीं जाने देती। अलग-अलग सम्प्रदायों हेतु अलग-अलग नियम हैं। इन परिस्थितियों से निबटने का एकमात्र माध्यम शिक्षा है, वस्तुतः शिक्षित ही विकसित है। हम सभी को शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति हेतु यथासंभव प्रयत्न करना चाहिए।"

श्री विजय डोकानियाँ

सम्मेलन की वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन **श्री आत्माराम सोंथलिया** ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में भी अच्छी प्रगति हुई है किन्तु आज जरूरत है उच्च शिक्षा पर जोर देने की। लड़कियों की शिक्षा पर भी विशेष ध्यान देना होगा।

सम्मेलन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री गोपाल अग्रवाल** ने कहा कि पारम्परिक समारोहों के अतिरिक्त भी अपनी भावना एवं सामर्थ्य के अनुसार कार्य करने की आवश्यकता है। व्यक्तिगत, पारिवारिक स्तर पर छोटे-छोटे कार्यों, यथा स्वच्छ भारत कार्यक्रम में योगदान करके भी हम देशहित में अपनी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए संगठित होना अत्यंत आवश्यक है, इससे देश की प्रगति एवं सुधार में सहयोग मिलता है।

श्री गोपाल अग्रवाल

श्री नंदकिशोर अग्रवाल ने कहा कि सम्मेलन के संगठन का विस्तार कर नयी ऊँचाइयों तक ले जाना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। हमें समाज के ज्यादा से ज्यादा लोगों को सम्मेलन के साथ जोड़कर इसे और मजबूती देनी होगी। संगठन में कमी रहने से हम कमजोर रह जाएँगे।

राष्ट्रगान

श्री जगदीश प्र. पाटोदिया 'चाँद'

श्री जगदीश प्रसाद पाटोदिया 'चाँद' ने राष्ट्रप्रेम के भाव से भरी ओजपूर्ण कविताएँ सुनायीं।

धन्यवाद-ज्ञापन करते हुए राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद कानून बनानेवाले और उसका पालन करने वाले अब हमलोग स्वयं हैं। यह अधिकार प्राप्त होने से हमारे कर्त्तव्य भी बढ़े हैं, उन पर ध्यान देना आवश्यक है। सभी बातों के लिए सरकार को दोष देने से हमारा कर्त्तव्य पूरा नहीं होता। इस महान देश के एक प्रबुद्ध नागरिक के रूप में हमें अपने कर्त्तव्यों को जानना और उनका पालन करना चाहिए। श्री लोहिया ने समारोह का संचालन भी किया।

श्री शिव कुमार लोहिया

समारोह में सम्मेलन की संविधान व विधिक एवं राजनैतिक चेतना उपसमितियों के अध्यक्ष **श्री नंदलाल सिंघानिया, सर्वश्री रवीन्द्र लड़िया, सन्दीप सेक्सरिया, गोविन्द अग्रवाल, राम कैलाश गोयनका, अशोक पारख, सीताराम शर्मा, वंशीधर शर्मा, राम निवास शर्मा, राजेन्द्र प्रसाद सुरेका, रघुनंदन अग्रवाल, प्रकाश किल्ला, श्यामलाल डोकानिया, रमेश कुमार बुवना, प्रयागराज बंसल, मनमोहन गाड़ोदिया** सहित अनेक गणमान्य सज्जन उपस्थित थे।

समाचार सार

उत्तराखण्ड सम्मेलन के कार्यक्रम

पाँचवा विशाल भण्डारा एवं मेडिकल कैम्प

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन माह में कांवड़ के अवसर पर विशाल भण्डारा एवं मेडिकल कैम्प का आयोजन कांवड़ पटरी मार्ग, बहादराबाद में ७-८ अगस्त २०१५ को आयोजित किया गया, जिसका उद्घाटन स्थानीय विधायक **श्री आदेश चौहान** के कर-कमलों से हुआ। कावड़ भण्डारा में निःशुल्क दवा वितरण एवं लगभग ८ हजार कांवड़ियों के लिए भोजन एवं जलपान का प्रबंध था। इस आयोजन में **सर्वश्री रंजीत टीवड़ेवाल, दीपक अग्रवाल, ब्रजमोहन चौधरी, संतोष खेतान, एवं मनोज गोयल** का विशेष सहयोग रहा। दवा की व्यवस्था **निखिल गोयल** (एक्मे वायोटैक) एवं **संजय काजलिया** (मेडीमार्क) के द्वारा की गई।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

६९वें स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर उत्तराखण्ड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा हरिद्वार स्थित भेल के सेक्टर ४ में स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया गया। ध्वजारोहण समाज के वरिष्ठ नागरिक **श्री राजेन्द्र टीवड़ेवाल** द्वारा किया गया। इस अवसर पर उत्तराखण्ड सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री रंजीत जालान** ने कहा कि आजादी हमने अपने विरासत में पायी है और इसे संभाल के रखना हमारा पवित्र कर्त्तव्य ही नहीं शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजली होगी। ★★★

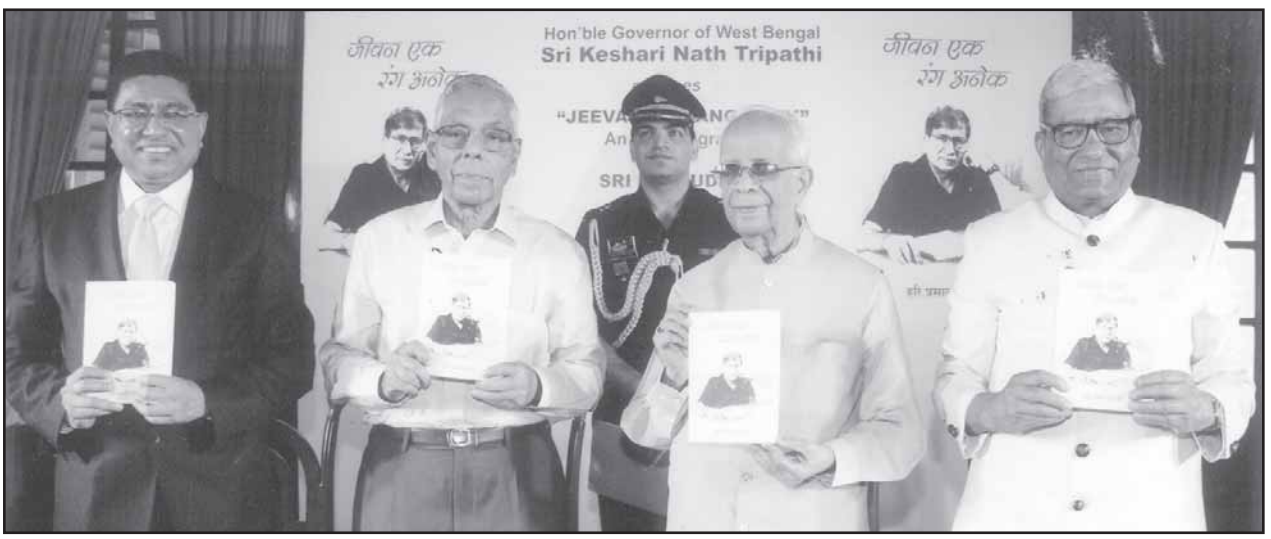

कोलकाता राजभवन में उद्योगपति श्री हरि प्रसाद बुधिया, चेयरमैन, पैटन ग्रुप, की आत्मकथा 'जीवन एक रंग अनेक' का लोकार्पण करते हुए पश्चिम बंगाल के महामहिम राज्यपाल श्री केशरी नाथ त्रिपाठी, पश्चिम बंगाल कदे पूर्व राज्यपाल श्री एम. के. नारायणन, श्री हरि प्रसाद बुधिया एवं श्री संजय बुधिया।

डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया बने 'ग्लोबल मैन ऑफ द इयर – २०१५'

- **विश्वप्रसिद्ध संस्था 'वी केयर फॉर ह्युमिनिटी' के तीसरे ऐनुअल ग्लोबल ऑफिशियल्स ऑफ डिग्निटी अवार्ड्स में मिला सम्मान।**
- **संयुक्त राष्ट्रसंघ मुख्यालय, न्यूयार्क में ५-७ अगस्त २०१५ को दिए गए अवार्डस।**
- **अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं वेस्ट बंगाल फेडेरेशन ऑफ यूनाइटेड नेशंस एशोसिएशंस (वेबफूना) ने २८ अगस्त २०१५ को कोलकाता में संयुक्त रूप से आयोजित किया सम्मान समारोह।**

सम्मान प्रमाणपत्रों के साथ डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती चम्पा देवी कानोड़िया

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया** को संयुक्त राष्ट्रसंघ मुख्यालय, न्यूयार्क में ५-७ अगस्त २०१५ को **वी केयर फॉर ह्युमिनिटी** संस्था द्वारा आयोजित ऐनुअल ग्लोबल ऑफिशियल्स ऑफ डिग्निटी अवार्ड्स में 'ग्लोबल मैन ऑफ द इयर - २०१५' के खिताब से नवाजा गया। यह सम्मान इस संस्था द्वारा दिए जानेवाले विभिन्न सम्मानों में सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं वेस्ट बंगाल फेडरेशन ऑफ यूनाइटेड नेशंस एशोसिएशंस (वेबफूना) के संयुक्त तत्वाधान में २८ अगस्त २०१५ को विवेकानंद हॉल, १८, बालीगंज सर्कुलर रोड, कोलकाता में डॉ. कानोड़िया के लिए एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें दोनों संस्थाओं के वरिष्ठ पदाधिकारियों सहित अग्रणी समाजसेवी, शिक्षाविद, राजनेता आदि शामिल हुए।

सम्मान समारोह में अपने संबोधन में सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वेबफूना के प्रेसिडेंट **श्री सीताराम शर्मा** ने कहा, "अपनी व्यक्तिगत बाध्यताओं/कर्त्तव्यों से स्वतंत्र होने के बाद कोई समाज के लिए क्या कर सकता है, यह डॉ. कानोड़िया से सीखा जा सकता है। उनके एक गुण जिसने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया है, वह है प्रतिबद्धता।"

श्री सीताराम शर्मा

श्री शर्मा ने डॉ. कानोड़िया के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्री रामकृष्ण परमहंस एवं स्वामी विवेकानंद के प्रति डॉ. कानोड़िया भक्ति एवं श्रद्धा का भाव रखते हैं और उनसे प्रेरित हैं। इससे भी बड़ी बात है कि उन्होंने अपने पूरे परिवार को धर्म-अध्यात्म एवं समाज सेवा से जोड़ रखा है। आज नयी पीढ़ी को व्यावसाय में शामिल करना तो आसान है किन्तु सामाजिक कार्यों में संलग्न करना नहीं। डॉ. कानोड़िया की यह भावना अनुकरणीय है।

अपने उद्‌बोधन में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार** ने कहा कि डॉ. कानोड़िया को 'ग्लोबल मैन ऑफ द इयर' का सम्मान मानवता की सेवा में उनके निरंतर कार्यों को अन्तर्राष्ट्रीय पहचान के साथ-साथ पूरे समाज के लिए बड़े गौरव की बात है। श्री पोद्दार ने डॉ. कानोड़िया की विभिन्न उपलब्धियों पर चर्चा की और कहा कि सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान उत्तराखंड प्रांतीय इकाई की स्थापना और एकल सदस्यता का क्रियान्वयन आदि मील के पत्थर हैं।

श्री प्रह्लाद राय अगरवाला

सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने कहा कि डॉ. कानोड़िया को यह सम्मान मिलने से पूरा समाज

एवं राष्ट्र सम्मानित हुआ है। स्वामी विवेकानंद के सिद्धांतों से प्रेरित डॉ. कानोड़िया का आचरण एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उनका योगदान दूसरों के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

सांसद मुहम्मद सलीम ने कहा कि डॉ. कानोड़िया ने अध्यात्म, सांस्कृतिक धरोहर, शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्रों में प्रशंसनीय पहल की है और 'थिंक ग्लोबल ऐक्ट लोकल' के सिद्धांत पर चले हैं। उन्होंने कामना की कि डॉ. कानोड़िया लम्बे समय तक समाज और मानवता की सेवा से जुड़े रहें और उन्होंने जो पौधे लगाये हैं वे विशाल वृक्ष हों।

मुहम्मद सलीम

सर्वश्री **हरिप्रसाद बुधिया, शिशिर बाजोरिया, विजय भंडारी, काशी प्रसाद खेरिया, रतन शाह, पवन जालान, संतोष सराफ, हेमंत कानोड़िया** आदि ने भी अपने उद्‌गार प्रकट किए एवं डॉ. कानोड़िया को बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ दीं।

सम्मान हेतु सभी का आभार प्रकट करते हुए **डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया** ने कहा कि यह सम्मान उन्हें और नम्र बना रहा है। लोगों की शुभेच्छाओं के कारण ईश्वर ने उन्हें इस सम्मान के लिए चुना है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद निर्विकल्प समाधि चाहते थे किन्तु रामकृष्ण परमहंस ने स्वामीजी को स्वार्थी न बन मानवता की सेवा करने को कहा, यही हम सबका भी कर्त्तव्य है।

धन्यवाद-ज्ञापन करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने कहा कि हम जीवन की लम्बाई को नहीं बढ़ा सकते किन्तु उसकी गहराई और चौड़ाई को बढ़ा सकते हैं, डॉ. कानोड़िया ने यही करके दिखाया है।

सम्मान समारोह का संचालन **एसिड सर्वाइवर्स फाउंडेशन इंडिया** (ए.एस.एफ.आई.) के चेयरमैन **श्री राहुल वर्मा** ने किया। ए.एस.एफ.आई. श्रेई फाउंडेशन द्वारा तेजाब पीड़ितों के ईलाज, कानूनी मदद एवं जीवन-यापन में सहयोग हेतु स्थापित संस्था है जो देश के विभिन्न शहरों में स्थापित अपनी शाखाओं के माध्यम से इस क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही है। ★ ★ ★

डॉ. कानोड़िया को मानपत्र देते सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार एवं पदाधिकारीगण।

डॉ. कानोड़िया को मानपत्र देते वेबफूना के चेयरमैन श्री सीताराम शर्मा एवं पदाधिकारीगण।

सम्मान समारोह में गणमान्य महिलायें-पुरुष।

संगठन-विस्तार पर और जोर देने की जरूरतः रामअवतार पोद्दार

"संगठन आज समय की माँग है। संगठन के बिना आपकी आवाज नक्कारखाने में तूती की आवाज की तरह है। समाज के हर तबके को साथ लाकर सम्मेलन का संगठन-विस्तार हम सभी का लक्ष्य होना चाहिए"। ये विचार अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार** ने ०८ अगस्त २०१५ को सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में व्यक्त किए। बैठक बालीगंज, कोलकाता स्थित विवेकानन्द हॉल में आयोजित की गयी थी।

श्री रामअवतार पोद्दार

राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में सर्वप्रथम पिछली बैठक (२१ मार्च २०१५, कोलकाता) का कार्यवृत्त सर्वसम्मति से पारित हुआ। उसके बाद राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिवकुमार लोहिया** ने पिछली बैठक के बाद से अब तक के सम्मेलन के क्रियाकलापों पर संक्षिप्त रपट प्रस्तुत की।

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री गोपाल अग्रवाल** ने लेखा परीक्षक द्वारा जाँचे गए वित्तीय वर्ष २०१४-१५ के आय-व्यय का लेखा-जोखा तथा संतुलन पत्र समिति की स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया। **श्री गोविन्द प्रसाद अग्रवाल** ने इस पर कुछ सलाह दिए। विचार-विमर्श के बाद समिति ने आय-व्यय का लेखा-जोखा और संतुलन पत्र को अपनी स्वीकृति दी।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री शिव कुमार लोहिया ने बताया कि १४ जून २०१५ को आयोजित अखिल भारतीय समिति की बैठक में लिए निर्णय के अनुसार अगले सत्र हेतु राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गयी है और **श्री नंदलाल सिंघानिया** को चुनाव अधिकारी मनोनीत किया गया है। उन्होंने सम्मेलन के संविधान की धारा १५ (४) के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव हेतु नियमावली प्रस्तुत की जिसे संक्षिप्त विचार-विमर्श के बाद समिति ने स्वीकृत किया।

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री बिजय डोकानियाँ** ने पश्चिम बंग सम्मेलन के कार्यकलापों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंग सम्मेलन अभी बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को

श्री बिजय डोकानियाँ (दायें) एवं श्री बसन्त कुमार मित्तल

आर्थिक मदद देता है, भविष्य में उच्च शिक्षा में सहयोग हेतु भी कोष स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है।

झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री **श्री बसंत कुमार मित्तल** ने झारखण्ड सम्मेलन के कार्यकलापों से समिति को अवगत कराया। उन्होंने विशिष्ट संरक्षक, संरक्षक एवं आजीवन सदस्यों हेतु सदस्यता प्रमाणपत्र दिए जाने का सुझाव रखा।

श्री शान्तिलाल जैन ने सलाह दी कि सम्मेलन द्वारा आयोजित सामाजिक कार्यक्रमों में स्थानीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों को भी बुलाना चाहिए और उन्हें अपने सामाजिक कार्यक्रमों से जोड़ना चाहिए।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री **श्री रतन शाह** ने कहा कि आम आदमी की पीड़ा समझने के लिए नेतृत्व को अपने आप को आम आदमी में ढालना होगा। 'विचार, आचार और प्रचार' के सिद्धांत पर चलना होगा। पहले विचार कर उस अनुसार आचरण करें, फिर दूसरों से अपेक्षा करें।

निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री **श्री संतोष सराफ** ने एक 'मैट्रिमोनियल वेबसाईट' की स्थापना और 'मैरिज काउंसिलिंग' की सुविधा उपलब्ध कराने की राय दी।

श्री विश्वम्भर दयाल सुरेका ने कहा कि समाज सुधार के मुद्दों पर अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं हुए हैं। सम्मेलन का अध्यक्ष बदलने से कार्यक्रम नहीं बदलने चाहिए।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री नंदलाल रूँगटा** ने कहा कि सम्मेलन के पास सामाजिक, शैक्षणिक, राजनैतिक,

विविध प्रकार के कार्यक्रम हैं और एक सत्र विशेष में एक विषय विशेष पर केन्द्रित होना अच्छी बात है। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों द्वारा प्रांतीय/स्थानीय शाखाओं के दौरों पर भी प्रसन्नता व्यक्त की।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने कहा कि समाज सुधार के कार्यों के परिणाम तत्काल नहीं निकलते, अतः धैर्य के साथ इसमें लगे रहने की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि वैवाहिक आचार संहिता पर बहुमत बनाना और उस पर अमल सुनिश्चित करना एक जटिल कार्य है, इसके लिए सामाजिक संस्थाओं के साथ-साथ पूरे समाज के सहयोग की आवश्यकता होगी। तथापि, एक वैचारिक संस्था के रूप में समाज के सामने आनेवाली हर समस्या पर सम्मेलन को विचार करना चाहिए और उसके समाधान का प्रयास करना चाहिए।

सर्वश्री नंदकिशोर अग्रवाल, विश्वनाथ मारोठिया, नंदलाल सिंघानिया एवं द्वारिका प्रसाद गनेरीवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

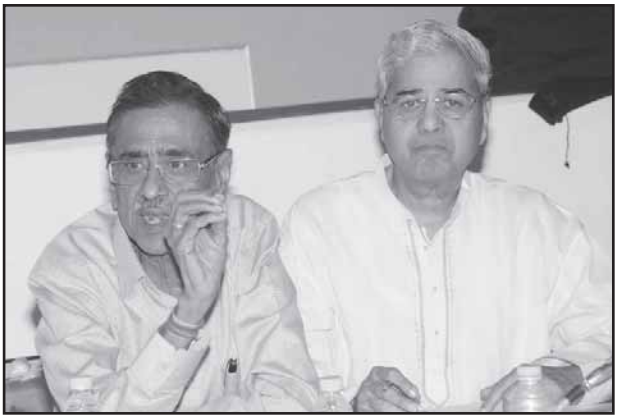

श्री नंदलाल रूँगटा (बायें) एवं श्री सीताराम शर्मा

अंत में राष्ट्रीय महामंत्री श्री शिव कुमार लोहिया ने धन्यवाद ज्ञापन किया एवं बैठक संपन्न हुयी। ★★★

बैठक में पदाधिकारी/सदस्यगण

समाचार सार

सज्जन कुमार तुलस्यान का अभिनंदन

गत २ अगस्त २०१५ को प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता तथा वरिष्ठ आयकर सलाहकार श्री सज्जन कुमार तुल्स्यान के ६५वें जन्म दिवस पर श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय एवं राजस्थान परिषद् की ओर उनका अभिनंदन किया गया। श्री तुलस्यान के आवास पर एक आत्मीय कार्यक्रम में कुमारसभा के मार्गदर्शक श्री जुगलकिशोर जैथलिया ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर उनके स्वस्थ एवं सक्रिय जीवन की कामना की। श्री जैथलिया ने आशा व्यक्त की कि जीवन के इस पड़ाव पर वे स्वस्थ रहकर अधिक निष्ठा से लोकहित एवं सामाजिक कार्यों में सक्रिय होंगे। सर्वश्री महावीर बजाज, भागीरथ चांडक, रुगलाल सुराणा तथा अरुण प्रकाश मल्लावत ने उन्हें संस्था की ओर से बधाईयाँ दीं।

श्री सज्जन कुमार तुलस्यान को पुष्पगुच्छ देते श्री जुगल किशोर जैथलिया एवं श्री महावीर बजाज; साथ में हैं श्री अरुण प्रकाश मल्लावत, श्री रुगलाल सुराणा एवं श्री भागीरथ चाण्डक।

राजस्थानी भाषा को मान्यता का प्रश्न

झारखंड के राज्यपाल को सम्मेलन के प्रतिनिधियों ने दिया ज्ञापन

झारखण्ड की महामहिम राज्यपाल श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से प्रतिनिधिमंडल के साथ मिलते राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री विनय सरावगी।

गत १९ अगस्त २०१५ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री विनय सरावगी के नेतृत्व में मारवाड़ी सम्मेलन के एक प्रतिनिधिमंडल ने राँची में झारखण्ड की महामहिम राज्यपाल श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से भेंट कर उन्हें एक ज्ञापन सुपुर्द किया, जिसमें राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित करने की माँग की गयी है। प्रतिनिधिमंडल में श्री सरावगी के अतिरिक्त झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री भागचंद पोद्दार, निवर्तमान अध्यक्ष श्री राजकुमार केडिया, उपाध्यक्ष श्री धर्मचन्द जैन रारा, महामंत्री श्री बसंत कुमार मित्तल व राँची जिला अध्यक्ष श्री वेदप्रकाश अग्रवाल सम्मिलित थे।

ज्ञापन में कहा गया है कि राजस्थानी भाषा बोलनेवालों की संख्या दस करोड़ से अधिक है, इसका समृद्ध शब्दकोष है तथा इसे साहित्य अकादमी से मान्यता मिली हुयी है। वर्तमान में आठवीं अनुसूची में शामिल कई भाषायें ऐसी है, जिन्हें बोलनेवालों की संख्या २० लाख से भी कम हैं। ज्ञापन में आगे कहा गया है कि २००६ में तत्कालीन केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता प्रदान करने पर सहमति व्यक्त की थी, लेकिन इसे अभी तक कार्यरूप नहीं दिया जा सका है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भी इसके पक्ष में विचार व्यक्ति कर चुके हैं। श्री सरावगी ने महामहिम राज्यपाल महोदय को बताया कि झारखण्ड में मारवाड़ी समाज के लोग १५० वर्षों से भी अधिक समय से रहते आ रहे हैं और राज्य के गठन एवं विकास में इस समाज का महत्वपूर्ण व सक्रिय योगदान है।

इन तथ्यों के आलोक में महामहिम राज्यपाल से अनुरोध किया गया कि वे राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए महामहिम राष्ट्रपति व केंद्र सरकार को अपनी अनुशंसा प्रेषित करने की कृपा करें। महामहिम राज्यपाल महोदय ने आश्वासन दिया कि वे अपनी स्तर से इस दिशा में सभी संभव कदम उठाएँगी। ★★★

रूपा फाउंडेशन ने किया मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत

गत १२ अगस्त २०१५ को कोलकाता स्थित इंडियन काउंसिल फॉर कल्चरल रिलेशंस (आई.सी.सी.आर.) के सभागार में एक समारोह आयोजित कर रूपा फाउंडेशन के "रूपा जीनियस अवार्ड्स-२०१५" के तहत २६ मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार पश्चिम बंग के महामहिम राज्यपाल **श्री केशरीनाथ त्रिपाठी** ने दिए। इस अवसर पर पश्चिम बंग के शिक्षा एवं संसदीय कार्य मंत्री **श्री पार्थ चटर्जी** 'गेस्ट ऑफ ऑनर' के रूप में उपस्थित थे।

पश्चिम बंग के महामहिम राज्यपाल श्री केशरीनाथ त्रिपाठी को मेमेन्टो देते रूपा ग्रुप के चेयरमैन श्री प्रह्लाद राय अगरवाला; साथ में परिलक्षित हैं (बायें से) श्री के. बी. अगरवाला, पश्चिम बंग के शिक्षा एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री पार्थ चटर्जी एवं रूपा ग्रुप के श्री जी.पी. अगरवाला।

रूपा जीनियस अवार्ड्स का उद्देश्य मेधावी एवं परिश्रमी विद्यार्थियों को अपने प्रयासों में निरंतरता बनाए रखने के लिए उत्प्रेरित करना है। पुरस्कृत २६ छात्र-छात्राओं में १० छात्र भिन्न क्षमता वाले भी थे जिन्होंने अपनी सीमाओं के बावजूद उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सम्मान समारोह में प्रमाणपत्र एवं ट्राफी के अतिरिक्त प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को ११,०००/-, द्वितीय स्थान प्राप्त करनेवालों को ७,०००/- और तृतीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को ५,०००/- रुपये पुरस्कार राशि के रूप में दिए गए। शारीरिक एवं मानसिक अक्षमताओं से लड़कर सफल प्रत्येक विद्यार्थी को ११,०००/- रुपये दिए गये।

इस अवसर पर बोलते हुए रूपा ग्रुप के चेयरमैन **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने महामहिम राज्यपाल श्री केशरीनाथ त्रिपाठी और शिक्षा एवं संसदीय कार्यमंत्री श्री पार्थ चटर्जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी उपस्थिति विद्यार्थियों को और उपलब्धियाँ हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करेगी। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने विद्यालयों से प्राप्त गुणों को याद रखने और उन पर अमल करने का आह्वान किया एवं कहा कि ये गुण उन्हें जीवन में सफल बनायेंगे। ★★★

IISD

A Gateway to Careers

SREI Foundation

"Educate Morally & Technically"
— Swami Vivekananda

Swami Vivekananda SREI Merit Scholarship upto 100%

Quality Higher Education at lowest prices
– a corporate social responsibility

2 Yrs. **PGDM** ₹ 1,00,000 (AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION)

2 Yrs. # **MBA** + **PGDM** ₹ 1,70,000 (AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION)

3 Yrs. # **BBA** ₹ 75,000

2 Yrs. **MBA+ PGPM** ₹ 85,000

3 Yrs. # **BCA** ₹ 75,000

2 Yrs. **MBA (Hospital Mgmnt.)** ₹ 95,000

DUAL SPECIALISATION AVAILABLE

ELIGIBILITY & SELECTION
FOR MBA/PGDM

- BACHELOR'S DEGREE IN ANY DISCIPLINE WITH 50% SCORE
- APPEARING FOR FINAL DEGREE EXAMINATION
- GROUP DISCUSSION
- PERSONAL INTERVIEW
- APTITUDE TEST
- APPLICANTS WITH CAT / MAT / XAT ARE PREFERRED

Assistance for placement

- Eminent Faculty
- Online Application Facility
- Regular / Weekend Classes
- Hostel
- AC Classrooms
- P G Accommodation

Complimentary Courses

- Spoken English
- Foreign Languages
- Bengali & Sanskrit
- ERP Training (Microsoft Certified)
- Company Secretaryship / Chartered Accountancy / Administrative Services
- Entrepreneurship Development
- Theology

Other Courses :

- Company Secretaryship
- Advocateship
- E-Tuition
- Montessori Teacher Training (1 Year Diploma)
- Retail Management
- **Preparatory course for Entrance Examination of MD, MS, MRCP (Medicine) – Part-I and DNB – Part-I**
- **Language Courses : Functional English, Spoken English, Spanish, Italian, Russian, German, Chinese, Japanese, Arabic, Burmese, Persian, French, Korean, Sanskrit, Bengali and Hindi**
- **Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)**
- **WBCS (Executive) and Judicial Services Examinations (Prelim and Main)**
- **Chartered Accountancy (CPT, IPCC & Final)**
- **NDA / CDS – UPSC Examinations and SSB Interview**
- **Certificate Course on Computer Applications**
- **Advanced Diploma in Financial Management**
- **Vocational & Technical Training**
- **Entrepreneurship Development**
- **Diploma in Banking and Finance**
- **Certificate course on theology**

Recognised by UGC, Ministry of HRD, Govt. of India, Approved by Joint Committee of UGC, AICTE & DEC

INSTITUTE FOR INSPIRATION & SELF DEVELOPMENT

IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379
E-Mail : info@iisdedu.in
Website : www.iisdedu.in

9, Syed Amir Ali Avenue, 5th Floor
Kolkata- 700017, Ph : (033) 2290 0338

९६वीं जयन्ती पर विशेष

महामनीषी, स्वतंत्रता सेनानी, प्रखर चिंतक, प्रबुद्ध दार्शनिक, राजस्थानी एवं हिन्दी भाषाओं के विश्वप्रसिद्ध महाकवि पद्मश्री कन्हैयालाल सेठियाजी की जयन्ती पर श्रद्धांजलीस्वरूप प्रस्तुत हैं उनकी कुछ रचनायें – सम्पादक

निर्देश

तुम मेरे ही पथ पर चलना
ऐसा मैं निर्देश न दूँगा।

आग्रह करना मम की कुण्ठा
मैं उससे प्रतिबद्ध नहीं हूँ,
मुक्त गगन-सा मेरा चिन्तन
साधक हूँ मैं सिद्ध नहीं हूँ,
तुम्हें खोजना होगा निज पथ
मैं कोई आदेश न दूँगा।

किसका कितना स्व विकसित है
वह उसके कर्मों पर निर्भर,
गाँधीजी, अरविन्द, विनोबा
मनुज देह में थे वे ईश्वर,
निज से मिल लो इतना इंगित
इतर और विशेष न दूँगा।

घातक पापकर्म हैं जिनके
उनको सत का बोध न होगा,
मिथ्या क्रिया करेंगे उससे
आत्मा का परिशोध न होगा,
स्वयं बनो तुम अपने दीपक
मैं कोई उपदेश न दूँगा।

पंछी

हुआ सबेरा छोड़ बसेरा
पंछी उड़े खोजने चारा।

पँख गगन में आँख धरा पर
दिख जाते जब बिखरे दाने,
छोड़ गगन को वे आ जाते
भू पर अपनी भूख मिटाने,
कितना श्रम करते बेचारे
श्रममय उनका जीवन सारा।

भर जाने पर उदर, कण्ठ में
रख लेते हैं वे कुछ दाने,
नीड़ों में भूखे शावक हैं
ले जाते वे उन्हें खिलाने,
प्राणों में कितना संवेदन
बहती सहज स्नेह की धारा।

देख उन्हें करते हैं चीं - चीं
चंचु मिला चुग लेते चारा,
जब तक उनके पंख न खुलते
मादा देती उन्हें सहारा,
हृदयहीन मनुपुत्र हो गया
बनी वासना उसकी कारा।

मौलिक

नहीं मुझे स्वीकार पदांकित
कोई पथ पर चलना।

देती मुझे निमन्त्रण अटवी
दुर्गम बीहड़ मरुथल,
मैं असंग भयमुक्त पथिक हूँ
साहस मेरा सम्बल,
नहीं दूसरा लक्ष्य मात्र है
मुझ तक मुझे पहुँचना।

नहीं चलेगा बँधी लीक पर
कभी सत्य का साधक,
मैं ही मेरा साध्य स्वयं हूँ
मैं मेरा आराधक,
मेरे मृण्मय क्षर को चिन्मय
अक्षर से है मिलना।

व्यष्टि तुष्टि है पर समष्टि की
शाश्वत है जिज्ञासा,
जो विराट है व्यक्त न होगा
इंगित भर है भाषा,
मैं आग्रह से मुक्त सर्वथा
मौलिक मेरी रचना।

पद्मश्री कन्हैयालाल सेठिया
११ सितम्बर १९१९ – ११ नवम्बर २००८

अनचाहे अतिथि

जो विचार अनचाहे अतिथि
उनको मैं आवास न दूँगा।

भीड़ लगी रहती है प्रति क्षण
उनको मैं कैसे ठहराऊँ,
उनका नाम पता लिखने को
व्यर्थ भला क्यों कलम उठाऊँ?
जिनका कोई लक्ष्य न उनको
मैं अपना विश्वास न दूँगा।

हर विचार आकांक्षा रखता
क्षण भर उसे ठहरने दूँ मैं,
पर जिसका कुल, शील न कोई
कैसे उनको रहने दूँ मैं?
जो अपंख तृण सम उड़ता है
उसको मैं आकाश न दूँगा।

जो विचार अपना लगता है
उसे सँजो कर छन्द बनाता,
वह मेरे स्वर की गंगा में
यमुनावत् आकर मिल जाता,
शब्द अर्थ के साथ समन्वित
संशय को अवकाश न दूँगा।

उतिष्ठत् ! जाग्रत ! प्राप्य वरान्निबोधत्

– शिव कुमार लोहिया
राष्ट्रीय महामंत्री

युवा वर्ग समाज एवं देश का मेरुदंड होता है। वे हमारे भविष्य हैं। जिस देश की युवा पीढ़ी अपने नैतिक मूल्यों एवं राष्ट्रीय हितों के प्रति समर्पित रहता है, उस देश का भविष्य उज्ज्वल है। उदाहरणस्वरूप भगत सिंह, खुदीराम बोस जैसे असंख्य युवाओं ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणोत्सर्ग किये, तब जाकर हमारी आजादी का मार्ग प्रशस्त हुआ। उसी के कारण हम वर्तमान में स्वतंत्र देश के नागरिक बन सके। उनके निःस्वार्थ बलिदान की गाथा हमारे इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित है। सोचने की बात है कि आज के संदर्भ में जो युवा भौतिक प्रगति की राह में चलकर एक मुकाम हासिल करता है, उससे हमारे राष्ट्रीय हित में बलिदानी युवाओं का जीवन किसी भी प्रकार से भी कम सफल या कम महत्वपूर्ण है?

आज परिप्रेक्ष्य एवं परिस्थिति भिन्न हो गये हैं। हमारे आचार, व्यवहार एवं सोच का स्तर भिन्न हो चुका है। विश्व हिंसा एवं मानसिक संकीर्णता में जी रहा है। युवा भी इस अंधी दौड़ में शामिल हैं। हाल में ही अमेरिका के सान फ्रांसिसको में एक चौंकानेवाली घटना घट गई। दिल्ली से २२ वर्षीय छात्र सर्वश्रेष्ठ गुप्ता अपनी महत्वाकांक्षा को फलीभूत करने अमेरिका गया। वहाँ एक नामी ब्रैकिंग कम्पनी में वह कार्यरत हो गया। भौतिक सुविधाओं के बावजूद वह कार्य के बोझ को सह नहीं पा रहा था। उसने अपने पिता को लिखा कि नौकरी में अत्यधिक दबाव है, यह मेरे लायक नहीं है। मैं वापिस भारत लौटना चाहता हूँ। इस उहापोह की स्थिति से वह उबर पाता, उसके पहले ही एक दिन वह पार्किंग स्थल पर मृत पाया गया। गुप्ता की मौत एक प्रश्न उठाती है कि उसे किसने मारा? उसकी महत्वाकांक्षा ने या उसकी मजबूरी ने या चमक दमक की दुनिया के छलावे ने।

भौतिक विकास के लिये हम जिस दौड़ में शामिल है, जीतने पर भी हमें एक मृग-मरीचिका ही हासिल होगी। इस दौड़ में प्रचुर मात्रा में तनाव है। तनाव हमारी सोच, भावना एवं व्यवहार तक को प्रभावित कर देता है। जाने अनजाने यह ऐसा चक्रव्यूह है जिससे निकलने का रहस्य आज के युवा रुपी अभिमन्यु को मालूम नहीं हैं। आज यह एक व्यापक समस्या बन गई है। दिग्भ्रमित युवा पीढ़ी को सही राह दिखाने से अधिक महत्वपूर्ण कार्य कुछ भी नही है।

सौभाग्य से हमारे देश मे स्वामी विवेकानंद जैसे प्रतीक पुरुष हुए हैं, जिन्होंने खासकर युवाओं के चरित्र निर्माण पर अत्यधिक जोर दिया था। उन्होंने तो यहाँ तक कहा था कि देश पर मरने-मिटनेवालो युवा ही देश का भाग्य पलट सकते हैं। आज 'खाओ-पीओ और मौज करो' की संस्कृति से हटकर हमें चातक पक्षी से शिक्षा लेने की आवश्यकता है। चातक पक्षी जो पपीहा के नाम से जाना जाता हैं, उपर आकाश की ओर देखते हुए उस समय की प्रतीक्षा करता है, जब वर्षा का जल सीधे उसके मुख में गिरेगा। उसके चारों ओर अनेक सरोवर, नदी, झरने एवं कुण्ड रहते हैं जिन्हे ऊँची उड़ान भरते हुए वह देखता भी है। पर उसका ध्यान तो सिर्फ उपर की ओर रहता है। आज मनुष्य बेलगाम एवं निरंकुश होता जा रहा है। अहम एवं वहम से ग्रसित वह काम, क्रोध व लोभ के जाल में स्वयं ही फँसता जा रहा है। ऐसी परिस्थिति में युवावर्ग को नैतिक मूल्यों, संस्कार, संस्कृति एवं सहज-सरल जीवन जीने की उपादेयता एवं आवश्यकता से अवगत कराना होगा। एक कहावत भी है – धन खो जाय तो फिर मिल जायगा; स्वास्थ्य की हानि हो तो चिंता का विषय है, मगर चरित्रहनन हो गया तो सब कुछ लुट गया।

स्वामी विवेकानंद ने कठोपनिषद (३/१४) के उस संदेश को युवाओं तक पहुँचाया था – 'उत्तिष्ठत्, जाग्रत, प्राप्य वरान्निबोधत' अर्थात उठो, जागो और श्रेष्ठ पुरुषों के सत्संग से ज्ञान प्राप्त करो। स्वामी जी ने इस उपदेश के भावार्थ में परिवर्तन कर युवाओं का आह्वान किया था – उठो, जागो एवं लक्ष्य हासिल होने तक लगन से कर्म करते रहो। आज की इस विषम परिस्थिति में जहाँ भोग, याभिचार एवं हिंसा के नये-नये तरीके ईजाद हो रहे हैं, स्वामीजी की वाणी अंधकार मे एक प्रकाश की रेखा के रूप मे हमें ढांढस बंधाती है। सभी प्रबुद्ध नागरिकों से इस दिशा मे सजग होने का मैं अनुरोध करता हूँ। इस संबंध में अपनी राय से हमें अवगत करायें ताकि उस यज्ञ में सब अपनी आहुति दे सकें। ★★★

आमने-सामने

'पं. ताऊ शेखावाटी समग्र' के प्रकाशन के अवसर पर उनसे रूबरू होते हुए समाज विकास के संपादक सीताराम शर्मा

सीताराम शर्मा - ताऊजी! सर्वप्रथम तो मैं आपको बधाई देना चाहता हूँ कि माता मोहिनीदेवी मेमोरियल ट्रस्ट, गांधीधाम ने आपके संपूर्ण रचना संसार को 'ताऊ शेखावाटी समग्र' के रूप में एक साथ प्रकाशित करने का सराहनीय निर्णय लिया है। इस अवसर पर समाज विकास पत्र के सुधि पाठकों को आपके कृतित्व एवं व्यक्तित्व की संक्षिप्त जानकारी हेतु सबसे पहले तो यह बताएँ कि एक इंजीनियर होते हुए भी आज आप राजस्थानी भाषा के वो प्रथम कवि हैं जिन्हें राजस्थान के माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा १० वीं एवं ११वीं की अनिवार्य हिंदी के पाठ्यक्रम में पढ़ाये जाने का गौरव प्राप्त हुआ है।

ताऊ शेखावाटी - जहाँ तक मेरी उपलब्धि की बात आपने पूछी है "आपणो प्रकाशन" जयपुर द्वारा राजस्थान प्रशासनिक सेवा की मुख्य परीक्षा हेतु प्रकाशित पुस्तक में मेरा एक दोहा सम्मिलित है -

"ताऊ" पीतळ रो घड़ो, हुवै विधा साहित्त।
ज्यूँ मांजै त्यूँ उजळै, करियाँ खेचळ नित्त।।

मेरै खयाल से तो बस, यही एक राज है। मैं अपने लेखन को बारम्बार मांजते रहने में (परिमार्जन करते रहने में) अधिक विश्वास करता हूँ।

सीताराम शर्मा - प्रस्तावित समग्र कितने खण्डों में प्रकाशित हो रहा है। इस बाबत जानकारी प्रदान करें।

ताऊ शेखावाटी - लाइब्रेरी एडिसन के साइज में समग्र तीन खण्डों में प्रकाशित हो रहा है। प्रत्येक खण्ड में करीब ६५० से ७०० पृष्ठ होंगे। पहला और दूसरा खण्ड राजस्थानी भाषा का होगा। तीसरे खण्ड में हिंदी अवधी तथा राजस्थानी भाषा की शेष कृतियाँ सम्मिलित की जाएँगी। प्रत्येक खण्ड की पाँच सौ प्रतियाँ प्रकाशित होंगी, जिन्हें देश की चारों सेंट्रल लाइब्रेरियों सहित राजस्थान के सभी पुस्तकालय और महाविद्यालयों में निःशुल्क वितरित किया जाएगा।

सीताराम शर्मा - आप राजस्थान के संभवतया कुछ कवियों में है - जिन्होंने हिंदी, राजस्थानी एवं अवधी तीनों भाषाओं में अपनी कलम चलाई है। आपको कौन सी भाषा में लेखन करने में सबसे अधिक आनंद आता है?

ताऊ शेखावाटी - रचनाकार जब जिस भाषा में रचना कर रहा होता है तब वह उसी भाषा के शब्द संसार में मग्न हुआ रहता है। ऐसे में यह कहना तो बहुत कठिन है कि मुझे कौन सी भाषा में रचना करने में कम अथवा अधिक आनंद की अनुभूति होती है, फिर भी राजस्थानी चूँकि मेरी मायड़ भाषा है, अतः उसमें रचना करते समय मुझे विशेष सहजता का भान अवश्य होता है।

सीताराम शर्मा - राजस्थानी भाषा की दिशा और दशा पर आपकी संक्षिप्त प्रतिक्रिया?

ताऊ शेखावाटी - दोनों ही "सागीड़ी" है। साहित्य समृद्ध है। लेखन खूब हो रहा है। मान्यता का मुद्दा सफलता के कगार पर है। आजकल तो पुरस्कारों की भी जैसे झड़ी ही लगती जा रही है।

सीताराम शर्मा - आपको अनेक पुरस्कार मिले हैं। क्या पुरस्कार रचना कर्म की सही कसौटी है? राजस्थानी भाषा के सृजन पर दिए जानेवाले पुरस्कारों के बाबत आप की क्या राय है?

ताऊ शेखावाटी - पुरस्कार कभी किसी साहित्यकार के रचना कार्य की कसौटी नहीं होता। भावों का मूल्यांकन करना बहुत कठिन है। राजस्थानी भाषा के लिए प्रदान किए जाने वाले पुरस्कारों से राजस्थानी भाषा और साहित्य दोनों को संबल प्रदान होता है। भाषा की मान्यता को बल मिलता है। रचनाकारों के मन में कुछ विशेष करने का भाव जागता है। परन्तु पुरस्कार स्वयं चलकर रचनाकार के पास आना चाहिए, रचनाकार का पुरस्कार के पीछे भागना गलत है।

सीताराम शर्मा - आपने श्री हनुमान चरित पाठ जैसी जनोपयोगी कृति का सृजन अवधी भाषा में किया है। आपको इस भाषा का ज्ञान कैसे हुआ?

ताऊ शेखावाटी - यह सब कल्याण पत्रिका के आदि संपादक रहे स्व. भाईजी हनुमान प्रसादजी पोद्दार के आशीर्वाद का सुफल है। उनके ही आदेश पर मैंने बचपन में सुन्दरकांड, किष्किंधाकांड और अरण्यकांड कंठस्थ किये थे। राजस्थानी भाषा की इस कहावत के अनुसार कि **"खच्चर गधी दाम दे, पर का खाया अैस दे।"** शायद बचपन में की गई वही मेहनत आज रंग लाई है।

सीताराम शर्मा - जैसा कि आपके नाम से ही आभास होता है, आप मूलतः हास्य कवि है। साहित्य के संवर्धन में हास्य रस की क्या भूमिका है?

ताऊ शेखावाटी - वैसे तो इस विषय को चंद शब्दों में नहीं समेटा जा सकता। बस इतना समझ लीजिए कि साहित्य के नौ रसों में हास्य हर रस के काव्य में सब्जी में नमक की तरह अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर उसे नीरसता से मुक्ति प्रदान कराता है। उदाहरण के लिए रामचरित मानस में जब रावण अंगद से यह कहता है कि उसने कैलाश पर्वत को अपनी पीठ पर उठा लिया था तो महाकवि तुलसीदास तक ने भी हास्य रस का सहारा लेते हुए अंगद के मुँह से ये कहलाया है कि - **भार बहहिं खरवृन्द** (लंकाकाण्ड/दोहा२९) अर्थात् गधों का काम ही भार ढोना है। अतः कहा जा सकता है कि साहित्य के संवर्धन में हास्य रस की अहम भूमिका है।

सीताराम शर्मा - अब एक सवाल लीक से जरा हटकर — कविता के क्षेत्र में आपने अपना नाम ताऊ ही क्यों रखा?

ताऊ शेखावाटी - क्योंकि ताऊ सबसे बड़ा होता है। रिश्तों की दुनिया में काका, मामा, नाना, दादा आदि सब तो उम्र में छोटे भी हो सकते हैं, लेकिन अगर कोई किसी का ताऊ है तो समझ लेना चाहिए उम्र में वह कम से कम उसके बाप से तो निश्चित ही बड़ा है, क्यों? ★★★

पुस्तक : ओळूं-शतक

● लेखक : पं. केसरीकान्त शर्मा 'केसरी'

●प्रकाशक : प्रतिज्ञ प्रकाशन, मण्डावा (राजस्थान)

●पृष्ठ : ८६ ● मूल्य : १०० रुपये

कविराज श्री केसरी जी हिन्दी, राजस्थानी एवं आंग्ल भाषा के जाने-माने विद्वान हैं। हिन्दी और राजस्थानी में आप गद्य एवं पद्य दोनों प्रकार की रचनायें करते हैं। अब वृद्धावस्था में भी कलम और कागज के सहारे ही अपना जीवन बिता रहे हैं।

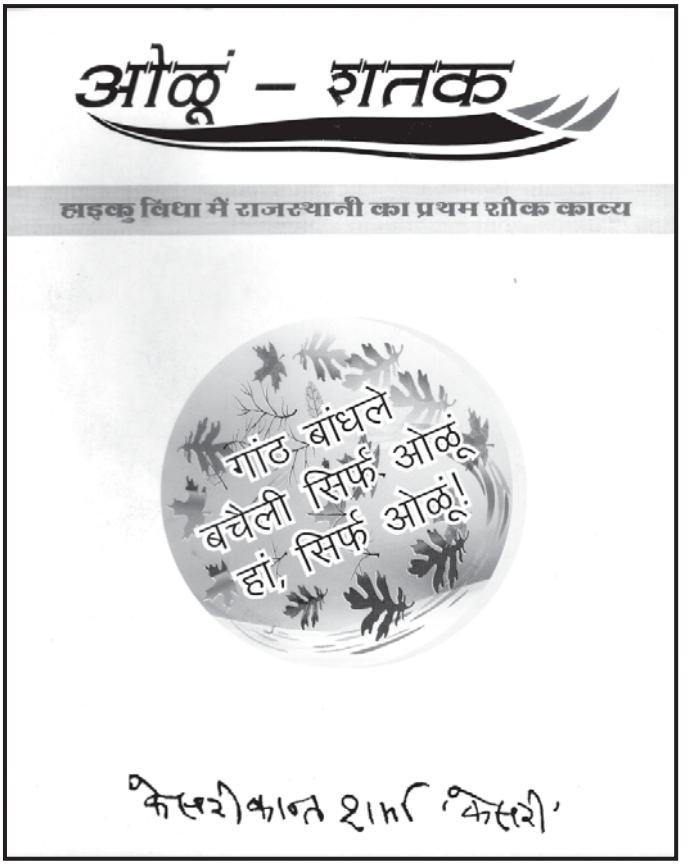

प्रस्तुत पुस्तक ओळूं-शतक की रचना कवि ने अपनी पत्नी श्रीमती द्रोपदी जी की याद में की है। राजस्थानी में कहावत है **"मतमरियो बुढै री नार, मत मरियो बालक री मां"**। जोडायत से बिछुड़ने पर भरे-पूरे परिवार में भी व्यक्ति अपने आपको अकेला अनुभव करता है। इस पीड़ा को वही समझ सकता है जिसके साथ घटित हुआ है – **"जिस अंगुली में चोट लगती है उसी में दर्द होता है"**। जो केसरीजी के स्थिति में है वे इन हाइकू को पढ़कर अपनी स्वयं की पीड़ा मानते हैं और उनके नेत्र बोल तो नहीं सकते लेकिन सजल अवश्य होते हैं।

श्री केसरी जी के इस ग्रंथ को शोक-काव्य या मरसिया कहा जा सकता है। शोककाव्य तो इससे पूर्व भी अनेक लिखे गये हैं, लेकिन हाइकु (जापानी विद्या) में यह संभवतः प्रथम शोककाव्य है। कवि ने साहित्य जगत में यह नया प्रयोग प्रस्तुत किया है।

राजस्थानी 'हाइकु' विधा की श्री केसरीजी की यह तीसरी कृति है। इसके पहले "कठै तो सोचे" और "चाल अकेलां" दो पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। संभवतः राजस्थानी भाषा में सर्वाधिक हाइकु श्री केसरी जी ने ही लिखे हैं, उन्हें बधाई!

धिराणी (मालकिन) जिसके साथ कवि ने अपने जीवन के दुख-सुख और उतार-चढाव के पाँच दशक बिताये हैं, उसके यों छोड़कर चले जाने पर कवि क्या सोचता है, कैसा अनुभव करता है, यह सब इन हाइकु के माध्यम से पेश किया है। जीवनसंगिनी की याद में कवि कह उठता है – **किणसू बोलां (अब)/ अणकथणी बातां, (बै) चांदनी रातां।**

अपने जीवन काल में श्रीमती द्रोपदी जी कहा करती थीं **"ऊबी आई आडी जावूंगी"**। उनके इस कथन को याद करके कवि कहता है – **सासू की जायी/करली आप आयी, जिदरी आयी!**

कवि मर्द है, इस लिए सबके सामने नहीं कह सकता – **सरेआम नीं/ओलै-छानै रोयो (भी) हूं /(बीं) भिजाजण नैं!**

कवि उन स्वर्गस्थ को भुला नही पाये हैं – **है तू मौजूद/ म्हारै हिवड़ै मांय/सूखम रूप (में)!**

अंत में कवि आत्मा के अमरत्व के सिद्धांतानुसार मानते हैं कि उनकी आवाज धिराणी तक अवश्य पहुँचेगी। कवि को मेरी हार्दिक संवेदना!

– शंकर झकनाड़िया, चूरू (राज.)

Shaping

a greener tomorrow

Accountability to the future generation

S R RUNGTA GROUP

S. R. RUNGTA GROUP

Cares for the land and its people

MINING, STEEL & POWER

Rungta House, Chaibasa, Jharkhand - 833201

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2013-2015
Date of Publication - 7th September 2015
RNI Regd. No. 2868/68

From :
All India Marwari Federation
152B, Mahatma Gandhi Road
(2nd Floor) Kolkata - 700 007
Telefax : (033) 2268 0319
E-mail : aimf1935@gmail.com